फर्द एहकाम
(नियम 133)

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुआ
15/11/18	- बयान शपथ पत्र पर प्रतिवादी वकील द्वारा जिरह करना चाहा गया वादीनी जिरह शपथ पत्र पर कोई कथन नहीं किया गया व न्यायालय परिसर से बाहर चली गई, पत्रावली पर हस्ताक्षर करने से इन्कार किया गया। वादीनी स्वयं वाद में कोई कार्यवाही नहीं कराना चाहता प्रतीत होता है। पुनः न्यायालय समय मे रुक-रुक कर वादीनी/वादीगण को तीन बार आवाजें लगवाई गई; वादीगण की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। वाद वादी खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। SD	